

a a Billio

Principal Seth R.C.S. Arts & Commun College Durg (C.G.) An International Multidisciplinary Peer Reviewed Quarterly Journal



SHODH SANDARSH

Education, Literatura, History, Art, Culture, Science, Commerce etc.

## - Patron

Prof. (Dr.) A.P. Ojha Head.

Deptt. of AIHC & Archaeology

Prof. R.P. Tripathi

Ex. Head. Deptt. of AIHC & Archaeology Allahabad Central University, Allahabad Allahabad Central University, Allahabad

# Chief Editor Dr. Vimlesh Kumar Pandey

Associate Professor P.G., Deptt. of AJHC & Archaeology S.B.P G. College, Badlapur Jaunpur

## Editors —

Prof. Sushaim Bedi Deptt. of Hindi Colambia University USA

Dr. Vijay Pratap Tiwari Mentor of SSIJ and Educationist,

Principal

C.S. Arts & Comm.

Delthi, India,

Dr. Vijay Kumar Mishra Founder VP Print Media and Research Institute, Prayagraf, India.

Co-editor -Nar Narayan "Shastri"

Editorial Managerable Office

## Vijay Pratap Tiwari

539-A, Bukhshi Khurd, Daraganj, Prayagraj-211006 Email : shodhsandarshalld@gmail.com Website : www.shodhsandarsh.com Mobile: 09415627149; 09450586526, 09015465436

Publisher & Printer -Vagisha Prakashan, Old Jhunsi, Kohna, Jhunsi, Prayagraj Email: vijaykumarmishra1976@gmail.com

CONTENT

	Sanskrit	
	• युधिष्ठिर विजय महाकाव्य में दार्शनिक चेतना का विश्लेषणात्मक अध्ययन	
	–बिजय कुमार थादव एवं डॉ० संगीता अग्रवाल	1-5
	<ul> <li>प्रो. अमरनाथ पाण्डेय का जीवन यृत्त एवं कत्तैव्य-प्रशान्त शुक्ल</li> </ul>	6-8
	<ul> <li>'अपरिग्रह' की भावना से आत्मा को शान्ति एवं आर्थिक समस्या का भी समाधान डॉ० सिकन्दर ताल</li> </ul>	9-17
	<ul> <li>महाभारत कालीन सामाजिक परिवर्तन-डॉ० राजेश रंजन</li> </ul>	18-23
	<ul> <li>बौद्ध धर्म ग्रन्थों में पर्यावरण-डॉo सुकृति</li> </ul>	24-28
	• रस स्वरूप : एक विवेचन- <i>संदीप कुमार पाण्डेय</i>	29-31
	<ul> <li>वेगीसंहार में द्रौपदी का संघर्षात्मक जीवन-एकता एवं प्रो० अनीता जैन</li> </ul>	32-34
	Hindi	32-34
		5
	<ul> <li>स्त्री अस्मिता के पथ की अन्वेषी : मीराबाई-डॉ० रतन कुमारी वर्मा</li> <li>कावजरी कवि 'जयणांचर प्रपत्र' के सारित के प्राप्त के प्राप के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के के के के के के के के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के जित्र के प्राप्त के के के के के के के के के क के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के के</li></ul>	35-39
	<ul> <li>कालजयी कवि 'जयशंकर प्रसाद' के साहित्य में मानवीय भावना-शशि कपूर</li> <li>मध्यकावीन काला में उपरि जेवला करें करत उपरि जर्म</li> </ul>	40-45
	<ul> <li>मध्यकालीन काव्य में नारी चेतना-डॉ० रतन कुमारी वर्मा</li> <li>रंणानी पिपरों की कोन के जिल्ला कर्म की काणित के लिएक के ल लिएक के लिएक क लिएक के लिएक के ल लिएक के लिएक के ल</li></ul>	46-49
	<ul> <li>इंशानी रिश्तों की खोज में नासिरा शर्मा की कहानियाँ-डाँ० विनोद कुमार विद्यार्थी</li> </ul>	50-52
	• बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के काव्य में राष्ट्रीय चेतना-श्रेया सिंह	53-56
	<ul> <li>जीवन मूल्यों के विकास में शिक्षा की भूमिका-डॉ. सुषमा सिंह</li> <li>जपार्वन के काला में जनवारी रोजन कि भूमिका-डॉ. सुषमा सिंह</li> </ul>	57-59
	<ul> <li>नागार्जुन के काव्य में जनवादी चेतना-विनोद कुमार</li> <li>संधदा काणी चौरान के काव्य के जानक के जानिक के जान के जाने का कि जानक के जाने के जानक क का जानक की जानक के जानक क जानक के जानक की ज</li></ul>	60-65
	<ul> <li>सुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य कौशल में राष्ट्रीय चेतना-डॉ० धर्मेन्द्र कुमार</li> <li>समय से मुठभेड़ करती 'धूमिल' और पंजाबी कवि 'पाश' की कविताओं का तुलनात्मक</li> </ul>	66-69
	अध्ययन–आत्माराम अध्ययन–आत्माराम	
	• संजीव के उपन्यासों की भाषा- धर्मेन्द्र कुमार	70-77
	• आधुनिक हिन्दी साहित्य के आलोचक : डॉ. रामविलाश शर्मा	78-81
	-श्री युगल सिंह राजपूत एवं डॉ. स्नोहलता निर्मलकर	00.04
	• इक्कीसवीं सदी और रेणु का नारी विषयक दृष्टिकोण-बसन्त पाल	82-84
	• हिन्दी साहित्य में संत <u>रविदास की साहित्यिक रचनाओं पर आधारित ''शोध-पत्रों''</u> के शीर्षक	85-86
	-डों० लालबहादर सिंह	07 60
	• उत्कट अनुभव एवं उद्वेग का उघाटन : समकालीन हिन्दी कविता में समाज-बोध	87-89
	-डॉ० कृपा किन्जलकम्	90-94
	<ul> <li>आदिवासी हिन्दी उपन्यासों में चित्रित नक्सलवाद की समस्या (आमचो बस्तर, ग्लोबल गाँव</li> </ul>	30-34
	के देवता और मरंग गोडा नीलकंठ हुआ' उपन्यासों के विशेष संदर्भ में )- <i>डॉo संजय नाइनवाड</i>	95-99
	• महान समन्वयवादाः गुरु नानकदेव-डा० इश्वर पवार 🚽	00-105
E.	<ul> <li>मधु कांकरिया के 'सुखते चिनार' में आतंकवादी दानव का कहर-डॉ० किरण ग्रोवर</li> </ul>	06-111
	<ul> <li>त्रिलोचन : जीवन संघर्ष एवं यथार्थ परक विसंगतियाँ</li> </ul>	
	- कमलेन्द्र कुमार सतनामी एवं डॉ० आशुतोष कुमार द्विवेदी	12-113
	• भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य में संवेदना–मो० वारिस	14-119
	• सूफी साहित्य का संवेदनात्मक परिचय– <i>दर्गा प्रसाद</i>	20-123
	<ul> <li>मराठी भाषी छात्रों का हिन्दी अध्ययन : समस्याएँ एवं समाधान-डॉo संजय थाऊ साहब दवने</li> </ul>	24-126
	• हिन्दी कहानी : परम्परा और पृष्ठभूमि– <i>डाँ० राम किंकर पाण्डेय</i>	27-130
	<ul> <li>हिन्दी साहित्य में सामाजिक यथार्थ की अवधारणा-मनोज कुमार एमठजीठ</li> </ul>	31-134
	<ul> <li>अनुवाद का समाज समाजशास्त्र और भाषा व्यवस्था-डाँ० विजय कुमार रोडे</li> </ul>	35-138
R I I	Shodh Sandarsh-VII + VolXXIV + SeptDec2019 + V	-
100	541 2 00 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	
E.C.		
	Principal Sette Principal	

2	ed Journal (IS8N : 2	319-5
1.0	नपद अम्बेडकर नगर में मृदा के प्रकार एवं उनकी विशेषताओं का कृषि उत्पादकता	
COLUMN TWO IS NOT		450-
101338-1 No.	the Malan Droblome and Snafial Planning for Agricultura	1.0
D	evelopment of Jaunpur District, U.rDr. wheet Hardin Duccy	456-
Ecor	nomics	462
• 0	formers Concept of Marketable Surplus Marketed Surplus and Residual Surplus- <i>Jaya Singh</i> Relationship Between District Co-operative Bank Credit and Kharlf Agriculture Productio	
	Dr. Shanwwar तारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 का प्रभाव, चुनौतियौँ एवं निवारण-डॉ० राम सनेही पाल	470
• •	गरतीय अधव्यवस्था पर कार्यिडना र कार्युडना प्रवाद पुरास पुरास की भूमिका-डॉ० राममोहन अस्थाना गरणीय विकास तथा पर्यावरण संरक्षण में लघु एवं कुटीर उद्येग की भूमिका-डॉ० राममोहन अस्थाना	472
	osophy -	
1 1140	गिता दर्शन के दृष्टि में : कमैं-डॉ० ब्रज किशोर प्रसाद	474
•	(initiation of the second of t	475
• •	गिता दर्शन– <i>डॉ० दल सिंगार सिंह</i> अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र की प्रासंगिकता– <i>डॉ० मुकेश कुमार चौरसिया</i>	485
100 - DA	a stand the stand study Applas Kumar	489
•	Sphota Theory of Meaning : An Analytical Study-Norma Tawn Sio संजय कुमार सिंह शंकर के अद्वैतवाद में चेतना सम्बन्धी अवधारणा : एक दार्शनिक विश्लेषण-डाँ० संजय कुमार सिंह	49.
•	हिन्दू धर्म की सामान्य विशेषताएँ-डाँ० राजेश बहादुर सिंह	50
10000	ि कि कि जिन्दी र राजी र राजी र राजी मनारी के मार	50
•	The Ancient Philosophy and Tools of Yoga Can Help to Beat the Covid-19	
•	-Dr. Amita Pandey	51
Pol	Science	51
	जागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 : भारत माता की अन्तरात्मा-डॉ0 सुमित्र देवी शर्मा	52
	नागारकती संशोधन आधानयम, 2019 : मारत माती का प्रात्मियी एवं डॉ. उपमा सिंह कश्मीर समस्या : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन-अनूप कुमार तिवारी एवं डॉ. उपमा सिंह समावेशी विकास एवं वैध् पहचान का संकट : वोट बैंक की राजनीति-डॉo सुभिन्न देवी शर्मा	.52
	समावेशी विकास एवं वैध पहचान का संकट : वोट बैंक की राजनात-डांठ सुम्ब देव शमा	53
	माधवराव मटाशिवराव गोलवलकर का राजनातिक चिन्तन-जनमण्य गित्र	53
	The Refugees Situation in South Asla-Dr. Ashima Ghosh	54
	भगान में मेक्सलमिन की अवधारणा-डी० सनीप केमार उपाध्याय	10000
	गारत में संवयुतारण को जववाता के के प्राप्त के विवान्तवन तथा पंचायतीराज व्यवस्था पर इसका प्रभावडाँ० आशा या	99 5
Co	mmerce	5
•	Fiscal Policy, GST and Economic Growth-Dr. Rani Shukla	5
•	Role of Micro Finance and Self Help Groups in Financial Inclusion-Dr. Sunita Sinha	
La	W	
19	भारत में इच्छामृत्यु का औचित्य : एक समीक्षात्मक अवलोकन-अनूप यादव	5
	Environment : Constitutional & Judicial Remedy in India-Rakesh Kumar Pathak	5
7.	3. 法法法律法律法律法律法律法律法律法律法律法律法律法律法律法律法律法律法律法律	1
20	ology Mosquitoes Biodiversity in Kumaun, Uttarakhand (India)-Dr. C.P. Singh	5
	Impact of Melatonin on Pulmonary Flbrosis & LungAssociated Inmunity	100
	in Albino Rat-Sonkar Manish & Mishra Devbrat	5
H	ome Science	
	गृहत्याज्य प्रबन्धन-डॉ. संगीता उपाध्याय	
		1
Er	nglish Lit.	
•	The Novels of Ardeshir Vakil : An Appraisal-Dr. Vivek Kumar Singh	10
A	griculture	
	महराजगंज जनपद में शस्य विविधता-डॉ० मधुलिका श्रीवांस्तव -	1
	Shodh Sandarsh-VII + VolXXIV + SeptDec2019 + VIII	
		-
1	Arte & Company	



ISSN No. - 2319-5908

an o o o o

impe

telev

vehi

Som

to pre

of the

Pratik.

than not

for red

Forts

Jai

one of po

decision

growth c

a broad set

developed

The E

Gst Inda

Mehra

Sardana

TRAIC

Patrice )

SKP

1,

2

3.

4.

5.

6,

7.

Conci

Commerce : Shodh Sandarsh-VII, Vol-XXV, Sept-Dec. 2019, Page : 554-555

General Impact Factor : 1.7276, Scientific Journal Impact Factor : 6.756

# Fiscal Policy, GST and Economic Growth

### Dr. Rani Shukla\*

Impact : Every coin has two facets and so the same applies to the concept of mplementation of the GST In India Of course, this is the biggest Tax reformation in India after independence and thus it will have a tremendous and direct futuristic impact on the economic front. However, few negotiable short-term negative issues too are associated with it, but for the sake of an accelerated economy, a revolutionary step like GST had become really mandatory.

To know how GST is a boon-for the Indian Economy, let us look into some significant facts & figures pertaining to Effects and Benefits of GST on Indian economy.

The Short-Term Impact : From the viewpoint of the consumer, they would now have pay more tax for most of the goods and services they consume. The majority of everyday consumables now draw the same or a slightly higher rate of tax. Furthermore, the GST implementation has a cost of compliance attached to it. It seems that this cost of compliance will be prohibitive and high for the small scale manufacturers and traders, who have also protested against the same. They may end up pricing their goods at higher rates.

How will GST impact the Indian Economy? : Reduces tax burden on producers and fosters growth through more production. The current taxation structure, pumped with mytiad tax clauses, prevents manufacturers from producing to their optimum capacity and retards growth. GST will take care of this problem by providing tax credit to the manufacturers.

1. Different tax barriers, such as check posts and toll plazas, lead to wastage of unpreserved items being transported. This penalty transforms into major costs due to higher needs of buffer stock and warehousing costs. A single taxation system will eliminate this roadblock.

2. There will be more transparency in the system as the customers will know exactly how much taxes they are being charged and on what base.

3. GST will add to the government revenues by extending the tax base.

4. GST will provide credit for the taxes paid by producers in the goods or services chain. This is expected to encourage producers to buy raw material from different registered dealers and is hoped to bring in more vendors and suppliers under the purview of taxation.

5. GST will remove the custom duties applicable on exports. The nation's competitiveness in foreign markets will increase on account of lower costs of transaction.

What the Future Looks Like : Talking about the long-term benefits, it is expected that GST would not just mean a lower rate of taxes, but also minimum tax slabs. Countries where the Goods and Service Tax has helped in reforming the economy, apply only 2 or 3 rates – one being the mean rate, a lower rate for essential commodities, and a higher tax rate for the luxurious commodities. Currently, in

\* Department of Commerce, Seth RCS Arts & Commerce College, Durg (Chhaitisgarh)

Shudh Sandarsh-Vil + Vol-XXV + Sept.-Dec.-2019 + 554

Princip

#### Peer Review Referred Journal

#### IISSN: 2319-5908]

India, we have 5 slabs, with as many as 3 rates - an integrated rate, a central rate, and a state rate. In addition to these, cess is also levied. The fear of losing out on revenue has kept the government from gambling on fewer or lower rates. This is very unlikely to see a shift anytime soon; though the government has said that rates may be revisited once the RNR (revenue neutral rate) is reached.

The GST roll out, with a single stroke, has converted India into a unified market of 1.3 billioncitizens. Fundamentally, the \$2.4-trillion economy is attempting to transform itself by doing away with the internal tariff barriers and subsuming central, state and local taxes into a unified GST.

The rollout has renewed the hope of India's fiscal reform program regaining momentum and widening the economy. Then again, there are fears of disruption, embedded in what's perceived as a rushed transition which may not assist the interests of the country.

Will the hopes triumph over uncertainty would be determined by how our government works towards making GST a "good and simple tax". The idea behind implementing GST across the country in 28 states and 9 Union Territories is that it would offer a win-win situation for everyone. Manufacturers and traders would benefit from fewer tax filings, transparent rules, and easy bookkeeping; consumers would be paying less for the goods and services, and the government would generate more revenues as revenue leaks would be plugged. Ground realities, as we all know, vary. So, how has GST really impacted India? Let's take a look.

Among big-ticket consumer items, automobiles, tyres, cement, air conditioners and large LCD televisions are currently in the 28% bracket. Automobiles also bear a cess, depending on the size of the vehicle, further increasing the total tax incidence.

"Issues are being examined in detail... Numbers are also being looked at," said one of the officials. Some states have already written to the Centre highlighting the need to cut rates on autos and cement to provide a boost to the economy. Some state policymakers are of the view that a more radical view of the rate structure needs to be taken, for instance merging the 12% and 18% slabs into one.

"Given the economic slowdown, there is certainly a for reduction in for a few sectors such as auto," Pratik Jain, national leader, indirect Taxes PwC. 'This has been done in the past and worked more often than not. Of course, this has to be backed up with other economic stimulus (measures) as well."

For sectors such as real estate and railways, where input tax credit is restricted, there is a Case for reduction in rates on key inputs, he said.

Jain said the GST Council may also want to consider merging the 12% and 18% slabs into a single one of possibly 15% or 16%, which will also simplify the rate structure, "However, it will not be an easy decision for the council and a larger consensus needs to be built for any major rate Changed," he said.

Conclusion : Implementation of GST in India, is definitely a historical deed for the futuristic growth of Indian Economy. Our next generation will enjoy the real taste and benefits of GST. Thus, in a broad sense, GST is a great boon for India which will help our country to get enter in the list of developed nation: very soon.

### REFERENCES

The Economic Times (2009) Featured Articles from The Economic Times.

Gst India (2015) Economy and Policy.

Mehra P (2015) Modi govt's model for GST may not result in significant growth push. The Hindu.

Sardana M (2005) Evolution Of B?Commerce In India Part 3.

TRAJ (201 5) Highlights of Telecom Subscription Data as on 28th February. Patrick M201 Stoods and Service Tax: Push for Growth, Centre for Public Policy Research (CPPR). SKP 2014 CST. Impact on the Telecommunications Sector in India.

\*\*\*\*\*



**Principa**) Seth R.C.S. Arts & Comm. College Durg (C.G.)